



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

पं० 15] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 12, 1986 (चैत्र 22, 1908)  
No. 15] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 12, 1986 (CHAITRA 22, 1908)

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय सूची		
	पृष्ठ	पृष्ठ
भाग I—खण्ड 1—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांख्यिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	303	भाग II—खण्ड 3—उप-खंड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांख्यिक नियमों और सांख्यिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिस्से में प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)
भाग I—खण्ड 2—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	431	भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा किए गए सांख्यिक नियम और आदेश
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गये संकल्पों और असांख्यिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	—	भाग III—खंड 1—उच्चतम न्यायालय, महान्यायाधीश, संघ लोक सेवा आयोग, रेलवे प्रशासकों, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	475	भाग III—खंड 2—वैदिक कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं और नोटिस
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	*	भाग III—खण्ड 3—मुख्य जायसों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
भाग II—खण्ड 1-क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*	भाग III—खण्ड 4—विभिन्न अधिसूचनाएं जिनमें सांख्यिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं
भाग II—खण्ड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रचार सभितियों के बिल तथा रिपोर्ट	*	भाग IV—नैर-सरकारी व्यक्ति और नैर-सरकारी निकायों द्वारा विज्ञापन और नोटिस
भाग II—खंड 3—उप-खंड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांख्यिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)	*	भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में अर्थ और मूल्य के आंकड़ों को दिखाने वाला अनुपूरक
भाग II—खण्ड 3—उप-खंड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांख्यिक आदेश और अधिसूचनाएं	*	

\*पृष्ठ संख्या प्राप्त नहीं हुई।

1—11 GI/86

## CONTENTS

	PAGE		PAGE
<b>PART I—SECTION 1</b> —Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) ..	303	<b>PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (iii)</b> —Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by general Authorities (other than Administration of Union Territories) ..	*
<b>PART I—SECTION 2</b> —Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) ..	431	<b>PART II—SECTION 4</b> —Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence ..	*
<b>PART I—SECTION 3</b> —Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence ..	—	<b>PART III—SECTION 1</b> —Notifications issued by the Supreme Court, Auditor General, Union Public Service Commission, Railways Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India ..	13635
<b>PART I—SECTION 4</b> —Notification regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence ..	475	<b>PART III—SECTION 2</b> —Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	253
<b>PART II—SECTION I</b> —Acts, Ordinances and Regulations ..	*	<b>PART III—SECTION 3</b> —Notification issued by or under the authority of Chief Commissioners ..	—
<b>PART II—SECTION I-A</b> —Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations ..	*	<b>PART III—SECTION 4</b> —Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies ..	389
<b>PART II—SECTION 2</b> —Bills and Reports of the select Committee on Bills ..	*	<b>PART IV</b> —Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies ..	59
<b>PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (i)</b> General Statutory Rules (including orders, by-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	*	<b>PART V</b> —Supplement showing statistics of Birth and Deaths etc. both in English and Hindi ..	*
<b>PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii)</b> —Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	*		

## भाग I—खण्ड 1

## [PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and the Supreme Court]

उद्योग मंत्रालय  
(प्रौद्योगिक विकास विभाग)

तकनीकी विकास महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 मार्च 1986

संकल्प

सं० टीडीबी-1/34(6)/86-भारत सरकार ने कृषि मशीनरी (विशेषकर ट्रैक्टर एवं उपस्कर) के बारे में प्रौद्योगिकी पर परामर्श देने के उद्देश्य से 1-4-1986 से एक वर्ष की अवधि के लिए प्रौद्योगिकी विकास परामर्शदायी ग्रुप बनाने का निर्णय किया है, जिसकी संरचना निम्न प्रकार है :-

1. श्री ए० बी० मल्लिक, प्रौद्योगिक सलाहकार, तकनीकी विकास महानिदेशालय नई दिल्ली। संयोजक
2. श्री चन्द्र मोहन, प्रबंध निदेशक, पंजाब ट्रैक्टर लि०, पायी-6, एस० ए० एम० नगर, न्यू चण्डीगढ़। सदस्य
3. श्री बी० के० चक्रवर्ती, महाप्रबंधक एच० एम० ई०, पिबोर, जिला अम्बाला, हरियाणा। सदस्य
4. श्री ए० उताधराय, महाप्रबंधक उताधराय, एस्कोट्स ट्रैक्टर लि० प्लॉट 2, सेक्टर 13, फरीदाबाद। सदस्य
5. श्री एम० राम स्वामी, भूतपूर्व निदेशक (तकनीकी) ट्रैक्टर एण्ड फार्मिंग उपस्कर लि० 145 स्ट्रियर्स रोड, मुन्गाबकम, मद्रास-34। सदस्य
6. प्रतिनिधि, इंडियन इन्स्टीट्यूट आफ टेक्नालॉजी खारगपुर। सदस्य
7. प्रतिनिधि, पन्न नगर यूनिवर्सिटी, पन्न नगर। सदस्य
8. डा० जी० एल० कौल, सहायक महानिदेशक प्रौद्योगिक कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली। सदस्य
9. श्री डी० एस० दोहरे, संयुक्तायुक्त कृषि विभाग कृषि भवन, नई दिल्ली। सदस्य
10. श्री बी० के० जैन, मार्फत श्री० के० एस० जैन एण्ड एसोसिएट्स मार्केटिंग मैनेजमेंट एण्ड एग्री कंसल्टेंट्स, 7 नीलतरंग, 208 सावरकर मार्ग, बम्बई-400016। सदस्य

2. परामर्शदायी ग्रुप के विचारणीय विषय निम्नलिखित हैं :-

- (1) डिजाइन एवं विनिर्माण की तकनीकी की किस्म और सामयिक अंतराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी के स्तर की दृष्टि से भारत में विद्यमान प्रौद्योगिकी का मूल्यांकन करना।
- (2) प्रौद्योगिकी अंतरालों का पता लगाना।
- (3) वर्तमान प्रौद्योगिकी को उन्नत करके उसे उपयुक्त और सामयिक बनाने हेतु दीर्घकालीन तथा अल्पकालीन प्रौद्योगिकी के लक्ष्यों को अंतिम रूप देना।
- (4) विनिर्दिष्ट कार्य वा पता लगाना और ऐसे कार्य को एक निर्धारित समय के भीतर पूरा कर सकने वाले अर्भीकरणों/संगठनों का पता लगाना जिन्हें नियत समय सीमा के भीतर इस कार्य को पूरा करने की जिम्मेवारी सौंपी है।
- (5) वर्तमान प्रौद्योगिकी के नये प्रयोग और/अथवा उन्नयन करने में और प्रौद्योगिकियों/सेवाओं एवं उत्पादों के निर्यात करने विशेष भूमिका अदा करने वाले इंजीनियरी एवं प्रबंध सम्बन्धी परामर्शदाताओं का पता लगाना।
- (6) उन अग्रणीय संगठनों का पता लगाना जो घरेलू आवश्यकताओं एवं अन्य सम्बद्ध अर्थों के अनुसार अनुसंधान, डिजाइन व विकास कार्य कर पायें।
- (7) ऊपर दिये गये कार्यक्रम को मॉनीटर करने के लिए सही तरीकों के बारे में सिफारिश करना।

3. परामर्शदायी ग्रुप की समय सूची संलग्न है अतः ग्रुप से समय सीमा में कार्य पूरा करने के लिए अनुरोध किया जाता है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी संबंधित व्यक्तियों को भेजी जाए। यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में आम सूचनाार्थ प्रकाशित किया जाए।

परामर्शदायी ग्रुप के लिए समय-अनुसूची

परामर्शदायी ग्रुप का नाम	पहली तिमाही	दूसरी तिमाही	तीसरी तिमाही	चौथी तिमाही
कृषि मशीनरी (विशेषकर ट्रैक्टर एवं उपस्कर) के लिए प्रौद्योगिकी विकास परामर्शदायी ग्रुप	सामयिक अंतराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी का स्तर भारत में विद्यमान प्रौद्योगिकी का वर्ष 1990 के लिए प्रौद्योगिकी के लक्ष्यों का निर्धारण करना।	प्रौद्योगिकी अंतरालों का पता लगाना।	अनुसंधान तथा विकास कार्य-क्रम के अनुसार निश्चित समय सीमा में विनिर्दिष्ट कार्य पूरा करने वाले अग्रणीय संगठनों का पता लगाना।	कार्यक्रम मॉनीटर करने का विधान।

## संरूप

सं० टी० जी० जी०-1/34 (7)/86--भारत सरकार ने, इलेक्ट्रॉनिक तथा इलेक्ट्रो-मैकेनिकल इन्स्ट्रुमेंट्स के बारे में प्रौद्योगिकी पर परामर्श देने तथा उन्हें चुनीदा उद्योगों में शामिल करने हेतु 1-4-1986 से एक वर्ष की अवधि के लिए प्रौद्योगिकी विकास परामर्शदायी ग्रुप बनाने का निर्णय किया है, जिसकी संरचना निम्न प्रकार है:--

1. श्री के० के० सनेजा, प्रौद्योगिक सलाहकार, तकनीकी विकास महानिदेशालय, नई दिल्ली। संयोजक
2. श्री के० वामुदेवन, अध्यक्ष तथा प्रबंध निदेशक, इन्स्ट्रुमेंटेशन लि० कोटा-324005 सदस्य
3. श्री आर० जी० शर्मा, अध्यक्ष, टेनार इन्स्ट्रुमेंट कं० (इंडिया) लि०, 14, मथुरा रोड, फरीदाबाद। सदस्य
4. श्री पी० के० कृष्णामूर्ति, प्रधान निदेशक, आई० जी० ई० एम० आई०; चूना भट्टी, बम्बई-400022 सदस्य
5. डा० के० एन० रामनाथन, नियंत्रक, केलट्रान कन्ट्रोल, शानमुगम रोड, ईरनाकुलम, कोचीन-682031 सदस्य
6. श्री एन० एस० प्रभु, जी० जी० एम० नेशनल थर्मल पावर कार्पोरेशन लि० स्कीपर हाउस, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110019 सदस्य
7. श्री सी० जी० मड्यागारी, कार्यकारी निदेशक, प्लानिग एण्ड डेवेलपमेंट (इंडिया) लि०, प्रीमियर चेम्बर्स, आर० सी० दत्त रोड, बड़ौदा। सदस्य
8. डा० आर० कृष्णामूर्ति वरिष्ठ प्रबंधक (प्रोसेस डीविजन), इंजीनियर्स इंडिया लि० हिन्दुस्तान टाइम्स हाउस, चतुर्थ तल, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-110001 सदस्य
9. श्री एच० सी० वर्मा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एसोसिएटिड इन्स्ट्रुमेंट मैनुफैक्चर्स (इंडिया) (प्रा०) लि० सननाइट बिल्डिंग, 26/27, आसफ अली रोड, नई दिल्ली। सदस्य

## परामर्शदायी ग्रुप के लिए समय अनुसूची

परामर्शदायी ग्रुप का नाम	पहली तिमाही	दूसरी तिमाही	तीसरी तिमाही	चौथी तिमाही
इलेक्ट्रॉनिक और इलेक्ट्रो-मैकेनिकल उपकरणों तथा उनका चुनीदा उद्योगों में समावेश करने के लिए प्रौद्योगिकी विकास परामर्शदायी ग्रुप	भारत में विद्यमान प्रौद्योगिकी का मूल्यांकन करना।	प्रौद्योगिकी अंतरराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी का स्तर	प्रौद्योगिकी अंतरराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी का स्तर	अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रम के अनुसार निश्चित समय सीमा में विशिष्ट कार्य पूरा करने वाले अग्रणी संगठनों का पता लगाना

## संरूप

सं० टी० जी० जी०-1/34 (8)/86: भारत सरकार ने ऊर्जा क्षमता पावर ट्रांसमिशन तथा वितरण उपकरणों (मोटरों, ट्रांसफार्मरों तथा स्विच-नियरों) के बारे में प्रौद्योगिकी पर परामर्श देने के उद्देश्य से 1-4-86 से एक वर्ष की अवधि के लिए प्रौद्योगिकी विकास परामर्शदायी ग्रुप बनाने का निर्णय किया है। जिसकी संरचना निम्न प्रकार है:--

1. श्री बी० पी० मलिक, प्रौद्योगिक सलाहकार, तकनीकी विकास महानिदेशालय, नई दिल्ली। संयोजक
2. श्री एम० के० श्रीधर, निदेशक (तकनीकी) बी० एच० ई० एल० 18-20, के० जी० मार्ग हिन्दुस्तान टाइम्स हाउस, नई दिल्ली। सदस्य
3. श्री आर० एस० बर्बे, मुख्य डिजाइन इंजीनियर, क्राम्प्टन ग्रीवज, (मशीन-2 प्रभाग) कन्नूर, भाद्रप, बम्बई-40007 सदस्य
4. श्री सी० एस० श्री, अध्यक्ष, इन्स्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स इंडिया, एफ० आई० इ-23ए, जावहरपुर, कलकत्ता। सदस्य

## 2. परामर्शदायी ग्रुप के विचारणीय विषय निम्नलिखित हैं:--

- (1) डिजाइन एवं विनिर्माण की तकनीकी की किस्म और सामयिक अंतरराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी के स्तर की दृष्टि से भारत में विद्यमान प्रौद्योगिकी का मूल्यांकन करना।
- (2) प्रौद्योगिकी अंतरराष्ट्रीय का पता लगाना।
- (3) वर्तमान प्रौद्योगिकी को उन्नत करके उसे उपयुक्त और सामयिक बनाने हेतु दीर्घकालीन तथा अल्पकालीन प्रौद्योगिकी के लक्ष्यों की प्रतिम रूप देना।
- (4) विशिष्ट कार्य का पता लगाना और ऐसे कार्य को एक निर्धारित समय के भीतर पूरा कर सकने वाले अधिकरणों/संगठनों का पता लगाना जिन्हें नियत समय सीमा के भीतर इस कार्य को पूरा करने की जिम्मेदारी सौंपी है।
- (5) वर्तमान प्रौद्योगिकी के नये प्रयोग और/अथवा उन्नयन करने में और प्रौद्योगिकियों/सिवाओं एवं उत्पादों के नियंत्रित करने में विशेष भूमिका अथवा करने वाले इंजीनियरी एवं प्रबंध सम्बन्धी परामर्शदाताओं का पता लगाना।
- (6) उच्च अग्रणी संगठनों का पता लगाना जो धरेल आवश्यकताओं एवं अन्य सम्बन्धित शक्तों के अनुसार अनुसंधान, डिजाइन व विकास कार्य कर पायें।
- (7) ऊपर दिये गए कार्यक्रम को मानीटर करने के लिए सही तरीकों के बारे में सिफारिश करना।

3. परामर्शदायी ग्रुप की समय-सूची संलग्न है अतः ग्रुप से समय सीमा में कार्य पूरा करने के लिए अनुरोध किया जाता है।

## आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी संबंधित व्यक्तियों को भेजी जाए। यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रामुख्यस्थान पर प्रकाशित किया जाए।

5. श्री पी० एन० हिग्नैन्या, उपाध्यक्ष (सेवानिवृत्त) किर्लोस्कर इलेक्ट्रिकल कं० पी० बी० नं० 5555, मालेश्वर पश्चिमी, बंगलोर-560005 सदस्य
6. श्री पी० आर० वारियर, मेसर्स क्राम्प्टन ग्रीवज, भानूप, बम्बई-400078 सदस्य
7. श्री कृष्णा गौडा, तकनीकी निदेशक एन० जी० ई० पी०, बंगलोर। सदस्य
8. श्री पी० डब्ल्यू कान्त, निदेशक, (ऊर्जा प्रभाग) मेसर्स साईमैन्स इंडिया लि०, बम्बई। सदस्य
9. श्री के० एन० सेनाय, प्रबंध निदेशक, हिन्दुस्तान ट्राउन बावरी लि०, ट्राउन बावरी हाउस, 264-265, डा० एनी बेसेंट रोड, बम्बई। सदस्य

2. परामर्शदायी ग्रुप के विचारणीय विषय निम्नलिखित हैं :—

- (1) डिजाइन एवं विनिर्माण की तकनीकी की किस्म और सामयिक अंतर्राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी के स्तर की दृष्टि से भारत में विद्यमान प्रौद्योगिकी का मूल्यांकन करना।
- (2) प्रौद्योगिकी अंतरालों का पता लगाना।
- (3) वर्तमान प्रौद्योगिकी को उन्नत करके उसे उपयुक्त और सामयिक बनाने हेतु दीर्घकालीन तथा अल्पकालीन प्रौद्योगिकी के लक्ष्यों को अंतिम रूप देना।
- (4) विशिष्ट कार्य का पता लगाना और ऐसे कार्य को एक निर्धारित समय के भीतर पूरा कर सकने वाले अभिकरणों/संगठनों का पता लगाना जिन्हें नियत समय सीमा के भीतर इस कार्य को पूरा करने की जिम्मेवारी सौंपी है।
- (5) वर्तमान प्रौद्योगिकी के नये प्रयोग और अथवा उन्नयन करने में और प्रौद्योगिकियों/सेवाओं एवं उत्पादों के नियंत्रित करने में

परामर्शदायी ग्रुप के लिए समय-अनुसूची

विशेष भूमिका प्रदा करने वाले इंजीनियरी एवं प्रबंध संबंधी परामर्शदाताओं का पता लगाना।

- (6) उन अग्रणीय संगठनों का पता लगाना जो धरेलू आवश्यकताओं एवं अन्य सम्बद्ध शक्तों के अनुसार अनुसंधान, डिजाइन व विकास कार्य कर पायें।
- (7) ऊपर दिये गए कार्यक्रम को मानीटर करने के लिए सही तरीकों के बारे में सिफारिश करना।

3. परामर्शदायी ग्रुप की समय-सूची संलग्न है अतः ग्रुप से समय सीमा में कार्य पूरा करने के लिए अनुरोध किया जाता है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी संबंधित व्यक्तियों को भेजी जाए। यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में आरक्षणाधिक प्रकाशित किया जाए।

परामर्शदायी ग्रुप का नाम	पहली तिमाही	दूसरी तिमाही	तीसरी तिमाही	चौथी तिमाही
उर्जा क्षमता पावर ट्रांसमिशन एवं वितरण उप-स्तर (मोटरो, ट्रांसफार्मरों तथा स्विच-गियरों) के लिए परामर्शदायी ग्रुप	मोटरो, ट्रांसफार्मरों और स्विचगियरों के लिए 3 उप-ग्रुपों की संरचना करना	भारत में विद्यमान प्रौद्योगिकी का मूल्यांकन करना सामयिक अंतर्राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी का स्तर	प्रौद्योगिकी अंतरालों का पता लगाना। वर्ष 1990 के लिए प्रौद्योगिकी के लक्ष्यों का निर्धारण करना	अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रम के अनुसार निश्चित समय सीमा में विशिष्ट कार्य पूरा करने वाले अग्रणीय संगठनों का पता लगाना

संकल्प

सं० टी० जी० डी०/1/34 (9)/86 भारत सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी, इसके लोह सामान और मृदु सामान के बारे में प्रौद्योगिकी पर परामर्श देने के उद्देश्य में 1-4-1986 से एक वर्ष की अवधि के लिए प्रौद्योगिकी विकास परामर्शदायी ग्रुप बनाने का निर्णय किया है, जिसकी संरचना निम्न प्रकार है :—

1. श्री एस० के० पल्लव, संयोजक  
औद्योगिक मलाहकार, जी० जी० टी० डी० नई दिल्ली।
2. श्री विजय भार्गव बजाज आर्टो लि० पुणे। सदस्य
3. प्रतिनिधि हिन्दुस्तान कम्प्यूटर्स लि० नई दिल्ली। "
4. प्रतिनिधि मेसर्स डी० सी० एम० डाटा प्रोडक्ट्स लि० नई दिल्ली। "
5. प्रतिनिधि कम्प्यूटर्स मैनेजमेंट कार्पोरेशन नई दिल्ली। "
6. निदेशक, नेशनल साइंटिफिक डाकुमेन्टेशन सेंटर नई दिल्ली। "
7. प्रतिनिधि, आई० सी० आई० एम०, आई० सी० आई० एम० नई दिल्ली कंसल्टेंसी असोसिएशन, मेसर्स इंडियन कम्प्यूटर्स लि० नई दिल्ली। "
8. प्रतिनिधि, मेसर्स डब्ल्यू आई० पी० और प्रो० लि०, नई दिल्ली। "

2. परामर्शदायी ग्रुप के विचारणीय विषय निम्नलिखित हैं :—

- (1) डिजाइन एवं विनिर्माण की तकनीकी की किस्म और सामयिक अंतर्राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी के स्तर की दृष्टि से भारत में विद्यमान प्रौद्योगिकी का मूल्यांकन करना।

परामर्शदायी ग्रुप के लिए समय-अनुसूची

परामर्शदायी ग्रुप का नाम	पहली तिमाही	दूसरी तिमाही	तीसरी तिमाही	चौथी तिमाही
सूचना प्रौद्योगिकी तथा इसके लोह सामान और मृदु सामान के लिए परामर्शदायी ग्रुप	भारत में विद्यमान प्रौद्योगिकी का मूल्यांकन करना सामयिक अंतर्राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी का स्तर	प्रौद्योगिकी अंतरालों का पता लगाना वर्ष 1990 के लिए प्रौद्योगिकी के लक्ष्यों का निर्धारण करना	अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रम अनुसार निश्चित समय सीमा में विशिष्ट कार्य पूरा करने वाले अग्रणीय संगठनों का पता लगाना	कार्यक्रम मानीटर करने के लिए तरीकों का विकास

- (2) प्रौद्योगिकी अंतरालों का पता लगाना।
- (3) वर्तमान प्रौद्योगिकी को उन्नत करके उसे उपयुक्त और सामयिक बनाने हेतु दीर्घकालीन तथा अल्पकालीन प्रौद्योगिकी के लक्ष्यों को अंतिम रूप देना।
- (4) विशिष्ट कार्य का पता लगाना और ऐसे कार्य को एक निर्धारित समय के भीतर पूरा कर सकने वाले अभिकरणों/संगठनों का पता लगाना जिन्हें नियत समय सीमा के भीतर इस कार्य को पूरा करने की जिम्मेवारी सौंपी है।
- (5) वर्तमान प्रौद्योगिकी के नये प्रयोग और अथवा उन्नयन करने में और प्रौद्योगिकियों/सेवाओं एवं उत्पादों के नियंत्रित करने में विशेष भूमिका प्रदा करने वाले इंजीनियरी एवं परामर्श संबंधी परामर्शदाताओं का पता लगाना।
- (6) उन अग्रणीय संगठनों का पता लगाना जो धरेलू आवश्यकताओं एवं अन्य सम्बद्ध शक्तों के अनुसार अनुसंधान, डिजाइन व विकास कार्य कर पायें।
- (7) ऊपर दिये गए कार्यक्रम को मानीटर करने के लिए सही तरीकों के बारे में सिफारिश करना।

3. परामर्शदायी ग्रुप की समय-सूची संलग्न है अतः ग्रुप से समय सीमा में कार्य पूरा करने के लिए अनुरोध किया जाता है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी विसंबंध व्यक्तियों को भेजी जाए। यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में आम सूचनाधिक प्रकाशित किया जाए।

## संकल्प

सं० टी० डी० डी०-1/34 (10)/86--भारत सरकार ने कार्बाइड, सरैमिक तथा डायमंड के औजारों के बारे में प्रौद्योगिकी पर परामर्श देने के उद्देश्य से 1-4-1986 से एक वर्ष की अवधि के लिए प्रौद्योगिकी विकास परामर्शदायी ग्रुप बनाने का निर्णय किया है। जिसकी संरचना निम्न प्रकार है :-

1. कुलवर्ग सिंह, --संयोजक  
अपर प्रौद्योगिक सलाहकार  
डी० जी० टी० डी०, नई दिल्ली।
2. डा० संजय बसु, सदस्य  
महाप्रबन्धक (और एण्ड डी)  
मेसर्स सैण्डविक एशिया लि० पुणे।
3. श्री मुरचिंग निदेशक, "  
सी० एम० टी० आई० बंगलौर।
4. प्रो० बी० आर० के० राय मैकेनिकल, "  
इंजीनियरिंग विभाग, आई० आई० टी० दिल्ली।
5. श्री के० एम० भागिया वक्ता मैनेजर, मेसर्स "  
प्रिन्स कांटेन एंड कं० लि०, बंबई।
6. श्री बी० गडडाचार, भूतपूर्व प्रौद्योगिक सलाहकार, "  
डी० जी० टी० डी० नई दिल्ली।
7. श्री आर० श्रीनिवासन, प्रबंध निदेशक, "  
मेसर्स वादिया (इंडिया) लि० टुमकुर रोड, बंगलौर।

2. परामर्शदायी ग्रुप के विचारणीय विषय निम्नलिखित हैं :

- (1) डिजाइन एवं विनिर्माण की तकनीकी की किसम और सामयिक अंतर्राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी के स्तर की दृष्टि से भारत में विद्यमान प्रौद्योगिकी का मूल्यांकन करना।

परामर्शदायी ग्रुप के लिए समय-अनुसूची

परामर्शदायी ग्रुप का नाम	पहली तिमाही	दूसरी तिमाही	तीसरी तिमाही	चौथी तिमाही
कार्बाइड, सरैमिक तथा डायमंड औजारों के लिए परामर्शदायी ग्रुप	कार्बाइड, सरैमिक तथा डायमंड औजारों के लिए उप-ग्रुपों की संरचना	भारत में विद्यमान प्रौद्योगिकी का मूल्यांकन करना	प्रौद्योगिकी अंतरालों का पता लगाना	अनुसंधान एवं विकास-कार्यक्रम के अनुसार निश्चित समय सीमा में विशिष्ट कार्य पूरा करने वाले संगठनों का पता लगाना
		सामयिक अंतर्राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी का स्तर	वर्ष 1990 के लिए प्रौद्योगिकी के लक्ष्यों का निर्धारण करना	

## संकल्प

सं० टी० डी० डी० डी०-1/34 (11)/86--भारत सरकार ने तवीन कोजिंग तथा कार्बिड प्रौद्योगिकी पर परामर्श देने के उद्देश्य से 1-4-1986 में एक वर्ष की अवधि के लिए प्रौद्योगिकी विकास परामर्शदायी ग्रुप बनाने का निर्णय किया है जिसकी संरचना निम्न प्रकार है :-

1. श्री लक्ष्मण मिश्र, --संयोजक  
प्रौद्योगिकी सलाहकार तकनीकी विकास महानिदेशालय,  
नई दिल्ली।
2. श्री बी० शेणसेयी, प्रबंध निदेशक, सीमेन्स लि०, सदस्य  
8, स्टलेण्ड नेट, पी० बी० नं० 458, मद्रास-600006
3. श्री एस० सी० कुमार, उपमहाप्रबंधक, सेन्ट्रल फाउंड्री प्रोजेक्ट, भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लि०, रानीपुर हरिद्वार (उत्तर प्रदेश)
4. श्री बी० जी० शास्त्री प्रबंध निदेशक डाक्ट्रान लि०, "  
डी-15 प्रौद्योगिक विकास क्षेत्र  
हेवराबाद-500039
5. श्री एन० श्री निवासन, प्रबंधक (तकनीकी), "  
इशोर फाउंड्री लि०, इन्दौर, मद्रास
6. श्री पी० सी० नियोगी कार्यकारी निवेशक, रबी इंजीनियरिंग कारपोरेशन धुवा, रांची 834004

- (2) प्रौद्योगिकी अंतरालों का पता लगाना।
  - (3) वर्तमान प्रौद्योगिकी को उन्नत करके उसे उपयुक्त और सामयिक बनाने हेतु दीर्घकालीन तथा अल्पकालीन प्रौद्योगिकी के लक्ष्यों को अंतिम रूप देना।
  - (4) विशिष्ट कार्य का पता लगाना और ऐसे कार्य को एक निर्धारित समय के भीतर पूरा कर सकने वाले अधिकारियों संगठनों का पता लगाना जिन्हें नियत समय सीमा के भीतर इस कार्य को पूरा करने की जिम्मेदारी सौंपी है।
  - (5) वर्तमान प्रौद्योगिकी के नये प्रयोग और अथवा-उन्नयन करने में और प्रौद्योगिकीय सेवाओं एवं उत्पादों के निर्यात करने में विशेष भूमिका अदा करने वाले इंजीनियरी एवं प्रबंध संबंधी परामर्शदाताओं का पता लगाना।
  - (6) उन अग्रणीय संगठनों का पता लगाना जो अल्प आवश्यकताओं एवं अन्य सम्बद्ध शक्तों के अनुसार अनुसंधान डिजाइन व विकास कार्य कर पायें।
  - (7) ऊपर दिये गए कार्यक्रम को मालीटर करने के लिए सही तरीकों के बारे में सिफारिश करना।
3. परामर्शदायी ग्रुप की समय सूची संलग्न है। अतः ग्रुप से समय सीमा में कार्य पूरा करने के लिए अनुरोध किया जाता है।

## आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक एक प्रति सभी संबंधित व्यक्तियों को भेजी जाए। यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में आमसूचनार्थ प्रकाशित किया जाए।

- 7 निदेशक, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फाउंड्री एण्ड फोर्ज टेक्नालाजी, रांची, बिहार।

8. श्री बी० एन० कल्याणी, प्रधान, मेसर्स भारत फोर्ज कं० लि०, मंडावा, पुणे केंद्र, पुणे-411036
  9. श्री सी० धी० टिकेकर, सलाहकार, टेलको, पिम्परी, पुणे।
  10. इंचार्ज फाउंड्री प्रभाग, आई० आई० टी०, खरगपुर।
2. परामर्शदायी ग्रुप के विचारणीय विषय निम्नलिखित हैं :-
- (1) डिजाइन एवं विनिर्माण की तकनीक की किसम और सामयिक अंतर्राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी के स्तर की दृष्टि से भारत में विद्यमान प्रौद्योगिकी का मूल्यांकन करना।
  - (2) प्रौद्योगिकी अंतरालों का पता लगाना।
  - (3) वर्तमान प्रौद्योगिकी को उन्नत करके उसे उपयुक्त और सामयिक बनाने हेतु दीर्घकालीन तथा अल्पकालीन प्रौद्योगिकी के लक्ष्यों को अंतिम रूप देना।
  4. विशिष्ट कार्य का पता लगाना और ऐसे कार्य को एक निर्धारित समय के भीतर पूरा कर सकने वाले अधिकारियों संगठनों का पता लगाना जिन्हें नियत समय सीमा के भीतर इस कार्य को पूरा करने की जिम्मेदारी सौंपी है।

(5) वर्तमान प्रौद्योगिकी के नये प्रयोग और/अथवा उत्पन्न करने में विशेष भूमिका अदा करने वाली इंजीनियरी एवं प्रबंध संबंधी परामर्शदाताओं का पता लगाना।

(6) उन अग्रणीय संगठनों का पता लगाना जो घरेलू आवश्यकताओं एवं अन्य सम्बद्ध गतों के अनुसार अनुसंधान, डिजाइन व विकास कार्य कर पायें।

(7) ऊपर दिये गए कार्यक्रम को मानीटर करने के लिए सही तरीकों के बारे में सिफारिश करना।

3. परामर्शदायी ग्रुप की समय अनुसूची संलग्न है अतः ग्रुप से समय सीमा में कार्य पूरा करने के लिए अनुरोध किया जाता है।

#### आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी संबंधित व्यक्तियों को भेजी जाए। यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में आम सूचनायें प्रकाशित किया जाए।

#### परामर्शदायी ग्रुप के लिए समय-अनुसूची

परामर्शदायी ग्रुप का नाम	पहली तिमाही	दूसरी तिमाही	तीसरी तिमाही	चौथी तिमाही
नवीन फोर्जिंग तथा कार्टिंग टेक्नालॉजी के लिए परामर्शदायी ग्रुप	भारत में विद्यमान प्रौद्योगिकी का मूल्यांकन करना	प्रौद्योगिकी अंतरालों का पता लगाना।	अनुसंधान एवं विकास कार्य-क्रम के अनुसार निश्चित समय सीमा में विशिष्ट कार्य पूरा करने वाले अग्रणीय संगठनों का पता लगाना।	कार्यक्रम मानीटर करने के लिए तारों का विकास
	सामयिक अंतराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी का स्तर	वर्ष 1990 के लिए प्रौद्योगिकी के लक्ष्यों का निर्धारण करना।		

#### संकल्प

सं० टी० डी० डी०-1/34 (12) /86—भारत सरकार ने फरमेंटेशन प्रौद्योगिकी एवं बायोटेक्नॉलॉजी के औद्योगिक आवेदन पत्रों के बारे में प्रौद्योगिकी पर परामर्श देने के उद्देश्य से 1-4-1986 से एक वर्ष के अवधि के लिए प्रौद्योगिकी विकास परामर्शदायी ग्रुप बनाने का निर्णय किया है जिसकी संरचना निम्न प्रकार है :—

- डा० प्रीतम सिंह, अध्यक्ष (आर० एण्ड डी०) आई० डी० पी० एल० वीर मद्रास स्टेट्स
- डा० एम० एम० गंडा, महाप्रबंधक पोलिकेमि, बंबई।
- डा० सी० एल० चोपड़ा, निदेशक, क्षेत्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला, जम्मू (जे० एण्ड के०)।
- डा० यू० टी० भालेराव, वैज्ञानिक आर० आर० एल०, हैदराबाद।
- आर० एन० डी० प्रबंधक, हिन्दुस्तान एन्टिबायोटिक्स लि०, पुणे।
- प्रतिनिधि बायोटेक्नॉलॉजी विभाग साईंस एवं टेक्नॉलॉजी मंत्रालय, टेक्नॉलॉजी भवन, न्यू महरोली रोड, नई दिल्ली।
- श्री ए० के० दाम, प्रौद्योगिकी सलाहकार, तकनीकी विकास महानिदेशालय।

सदस्य

„

„

„

„

„

„

„

„

„

„

„

„

„

„

„

„

„

„

„

„

„

„

„

„

„

„

„

(2) प्रौद्योगिकी अंतरालों का पता लगाना।

(3) वर्तमान प्रौद्योगिकी को उन्नत करके उसे उपयुक्त और सामयिक बनाने हेतु दीर्घकालीन तथा अल्पकालीन प्रौद्योगिकी के लक्ष्यों को अंतिम रूप देना।

(4) विशिष्ट कार्य का पता लगाना और ऐसे कार्य को एक निर्धारित समय के भीतर पूरा कर सकने वाले अभिकारण संगठनों का पता लगाना जिन्हें नियत समय सीमा के भीतर इस कार्य को पूरा करने की जिम्मेदारी सौंपी है।

(5) वर्तमान प्रौद्योगिकी के नये प्रयोग और अथवा उत्पन्न करने में और प्रौद्योगिकियों, सेवाओं एवं उत्पादों के निर्यात करने में विशेष भूमिका अदा करने वाले इंजीनियरी एवं प्रबंध संबंधी परामर्शदाताओं का पता लगाना।

(6) उन अग्रणीय संगठनों का पता लगाना जो घरेलू आवश्यकताओं एवं अन्य सम्बद्ध गतों के अनुसार अनुसंधान, एवं डिजाइन व विकास कार्य कर पायें।

(7) ऊपर दिये गये कार्यक्रम को मानीटर करने के लिए सही तरीकों के बारे में सिफारिश करना।

3. परामर्शदायी ग्रुप की समय अनुसूची संलग्न है अतः ग्रुप से समय सीमा में कार्य पूरा करने के लिए अनुरोध किया जाता है।

#### आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी संबंधित व्यक्तियों को भेजी जाए। यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में आम सूचनायें प्रकाशित किया जाए।

#### परामर्शदायी ग्रुप के लिए समय-अनुसूची

परामर्शदायी ग्रुप का नाम	पहली तिमाही	दूसरी तिमाही	तीसरी तिमाही	चौथी तिमाही
फरमेंटेशन टेक्नालॉजी और बायो-टेक्नॉलॉजी के औद्योगिक आवेदन पत्रों के लिए परामर्शदायी ग्रुप	भारत में विद्यमान प्रौद्योगिकी का मूल्यांकन करना	सामयिक अंतराष्ट्रीय-प्रौद्योगिकी का स्तर	प्रौद्योगिकी अंतरालों का पता लगाना।	अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रम के अनुसार निश्चित समय सीमा में विशिष्ट कार्य पूरा करने वाले अग्रणीय संगठनों का पता लगाना।
			वर्ष 1990 के लिए प्रौद्योगिकी के लक्ष्यों का निर्धारण करना।	

## संकल्प

सं० टी०डी०डी०-1/34(13)/86--भारत सरकार ने पेटेंटकृत परिवारों जैसे प्लास्टिक/सिन्थेटिक फाइबर उद्योग के लिए निरन्तर बहुसंघनन के बारे में प्रौद्योगिकी पर परामर्श देने के उद्देश्य से 1-4-1986 से एक वर्ष की अवधि के लिए प्रौद्योगिकी विकास परामर्शदायी ग्रुप बनाने का निर्णय किया है, जिसकी संरचना निम्न प्रकार है :—

1. श्री डी० बाईरोटोडा प्रधान सचिवरी एनका लि०, पुणे ।
2. डा० मधोलकर उप निदेशक, एन०सी०एन०, पुणे ।
3. डा० वी० जी० कामथ, निदेशक, निरलोम सिन्थेटिक फाइबर एंड केमिकल्स लि०, बंबई ।
4. डा० अय्यर, जे० के० सिन्थेटिक लि०, कोटा ।
5. डा० एस० गंगोली, अध्यक्ष/प्रबंध निदेशक, इंडियन पेट्रोकेमिकल्स कार्पोरेशन लि०, बड़ोदा ।
6. डा० एच० सी० बिजवाट, प्रधान, बंबई इरॉन कं० (प्रा०) लिमिटेड, निविल्ले हाउस, ग्राहम रोड, बेल्लाई एस्टेट, बंबई ।
7. श्री एम० एस० पटवार्धन, प्रबंध निदेशक, नेशनल भौतिक/केमिकल इंडस्ट्रीज लि०, मकतलाल सैक्टर, नारीमन प्लॉट, बंबई ।
8. डा० पी० वी० कृष्णा, सलाहकार, पेट्रोकेमिकल्स, रसायन एवं पेट्रोकेमिकल्स विभाग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली ।
9. श्री सी० डी० ग्रान्थ, प्रौद्योगिक सलाहकार, तकनीकी विकास महानिदेशालय, नई दिल्ली ।

सदस्य

"

"

"

"

"

"

"

सदस्य-सचिव

(2) परामर्शदायी ग्रुप के विचारणीय विषय निम्नलिखित हैं :—

1. डिजाइन एवं विनिर्माण की तकनीक की किस्म और सामयिक अंतर्राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी के स्तर की दृष्टि से भारत में विद्यमान प्रौद्योगिकी का मूल्यांकन करना ।
2. प्रौद्योगिकी अंतरालों का पता लगाना ।
3. वर्तमान प्रौद्योगिकी को उन्नत करके उसे उपयुक्त और सामयिक बनाने हेतु बीचकालीन तथा अल्पकालीन प्रौद्योगिकी के लक्ष्यों को अंतिम रूप देना ।
4. विशिष्ट कार्य का पता लगाना और ऐसे कार्य को एक निर्धारित समय के भीतर पूरा कर सकने वाले अभिकरणों/संगठनों का पता लगाना जिन्हें नियत समय सीमा के भीतर इस कार्य को पूरा करने की जिम्मेदारी सौंपी है ।
5. वर्तमान प्रौद्योगिकी के नये प्रयोग और/अथवा उन्नयन करने में और प्रौद्योगिकियों/सेवाओं एवं उत्पादों के निर्यात करने में विशेष भूमिका ग्रहण करने वाले इंजीनियरों एवं प्रबंध सम्बन्धी परामर्शदाताओं का पता लगाना ।
6. उन अग्रणीय संगठनों का पता लगाना जो बरेलू आवश्यकताओं एवं अन्य सम्बद्ध शक्तों के अनुसार अनुसंधान, डिजाइन व विकास कार्य कर पायें ।
7. ऊपर दिये गये कार्यक्रम को मानीटर करने के लिए सही तरीकों के बारे में सिफारिश करना ।

3. परामर्शदायी ग्रुप की समय-अनुसूची संलग्न है अतः ग्रुप से समय सीमा में कार्य पूरा करने के लिए अनुरोध किया जाता है ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी संबंधित व्यक्तियों को भेजी जाए। यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में आम सूचनार्थ प्रकाशित किया जाए ।

परामर्शदायी ग्रुप के लिए समय-अनुसूची

परामर्शदायी ग्रुप का नाम	पहली तिमाही	दूसरी तिमाही	तीसरी तिमाही	चौथी तिमाही
पेटेंटकृत परिवारों जैसे प्लास्टिक/सिन्थेटिक फाइबर उद्योग के लिए निरन्तर बहुसंघनन के बारे में परामर्शदायी ग्रुप	विद्यमान प्रौद्योगिकी का मूल्यांकन करना	सामयिक अंतर्राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी का स्तर	प्रौद्योगिकी अंतरालों का पता लगाना वर्ष 1990 के लिए प्रौद्योगिकी के लक्ष्यों का निर्धारण करना ।	अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रम के अनुसार निर्धारित समय सीमा में विशिष्ट कार्यक्रम पूरा करने वाले अग्रणीय संगठनों का पता लगाना

के० सी० गंजवाल, मुख्य सतकंता अधिकारी

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 मार्च 1986

संकल्प

सं० ई० 11017/1/85-रा०भा०कार्या०—स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति के पुनर्गठन के विषय में मंत्रालय के 16 जुलाई, 27 सितम्बर और 26 नवम्बर, 1985 के समसंख्यक संकल्प के क्रम में भारत सरकार ने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अपर सचिव (प०क०) को इस मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति का सदस्य नामित करने का निर्णय लिया है ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों, राष्ट्रपति सचिवालय, प्रधानमंत्री कार्यालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय, संसदीय कार्य मंत्रालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, केन्द्रीय राजस्व लेखा परीक्षा निवेशक और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों को भेजी जाए ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सर्वसाधारण की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

एस० के० सुधाकर, संयुक्त सचिव



## कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 20 मार्च, 1986

## संकल्प

सं० 21-43/84—उर्बरक प्लानिंग—डा० जी० बी० के० राज की अध्यक्षता में स्थापित अधिकार प्राप्त समिति, जो उर्बरक उपभोक्ता मूल्य समिति के रूप में जानी जाती है, के गठन संबंध में इस मंत्रालय के 23 जुलाई, तथा 7 अक्टूबर, 1985 के इसी संख्या के संकल्प के क्रम में यह निर्णय किया गया है कि समिति की कार्य अवधि 22 जनवरी, 1986 से 22 जुलाई, 1986 तक बढ़ाई जाए। इसके

अतिरिक्त, यह भी निर्णय किया गया है कि समिति के वर्तमान विचार-धन विषयों में निम्नलिखित पहलुओं को जोड़ा जाए।

“उर्बरकों का वितरण मॉर्जिन पर्याप्त है या नहीं और अन्य सम्बद्ध मामलों का पता लगाना।”

समिति की अन्य शक्तों में कोई परिवर्तन नहीं होगा।

## आवेश

आवेश दिया जाता है कि इसको एक प्रति सभी सम्बन्धितों को भेजा जाए। यह भी आवेश दिया जाता है कि इसे सामान्य जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

पी० बी० शौनोई, अपर सचिव

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT  
DIRECTORATE GENERAL OF TECHNICAL  
DEVELOPMENT  
RESOLUTION

New Delhi, the 14th March 1986

No. TDD-1(34)(6)/86.—Government of India have decided to constitute the Technology Development Advisory (Group for Agricultural Machinery (particularly Tractor and Equipment) to render advice on the technology thrust to be made in this Sector with the following composition, for a period of one year w.e.f. 1-4-1986 :—

## Convenor

1. Shri A. B. Mallik,  
Industrial Adviser,  
DGT, New Delhi.

## Members

2. Shri Chandra Mohan,  
Managing Director,  
Punjab Tractors Ltd.,  
P.O. Box-6, SAS Nagar,  
New Chandigarh.
3. Shri D. K. Chakravorthy,  
General Manager, HMT,  
Pinjore, District Ambala,  
Haryana.
4. Shri S. Upadhyay,  
Asstt. Vice President,  
Escorts Tractors Ltd.,  
Plot 2, Sector-13,  
Faridabad.
5. Shri M. Ramaswami,  
Ex-Director (Tech.),  
Tractors & Farming Equipment Ltd.,  
145, Sterling Road,  
Nungabakkam, Madras-34.
6. Representative of Indian  
Institute of Technology,  
Kharagpur.
7. Representative from  
Pant Nagar University,  
Pant Nagar.

8. Dr. G. L. Kaul, Asstt. Director General,  
Industrial Agricultural Research Institute,  
New Delhi.

9. Shri D. S. Dohare,  
Joint Commissioner,  
Deptt. of Agriculture & Cooperatives,  
Krishi Bhavan, New Delhi.

10. Shri B. K. S. Jain,  
C/o B. K. S. Jain & Associates,  
Marketing, Management & Agro Consultants,  
7-Neeltarang,  
208, Savarkar Marg,  
Bombay-400 016.

2. Terms and reference to the Advisory Group would be as under :—

- (i) Assessment of existing technology in India in terms of quality of design and manufacturing techniques and status of contemporary international technology.
- (ii) Identification of technology gaps.
- (iii) Finalisation of long-term and short-term technology goals for up-gradation of the existing technology so as to make it appropriate and contemporary.
- (iv) Identification of specific task and the agency/organisation which should be assigned for such work to complete within a fixed time targets.
- (v) Identification of Engineering and Management Consultants who can play a significant role in the establishment of new uses and/or in upgradation of existing technologies and export of technologies/services and products.
- (vi) Identification of lead organisation which will carry out research, design and development work in accordance with the domestic needs and other related conditions.
- (vii) To make recommendations on the appropriate methodology for monitoring the programme as indicated above.

3. The time schedule for the Advisory Group is enclosed and the group is requested to adhere and complete the work as per schedule.

## ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

## TIME SCHEDULE FOR THE ADVISORY GROUP

Name of the Advisory Group	First Quarter	Second Quarter	Third Quarter	Fourth Quarter
Technology Development Advisory Group for Agricultural machinery (Particularly tractors & Equipments).	Assessment of the existing technology in India.	Identification of technology gaps.	Identification of lead organisations for specific tasks with time bound programme of R&D.	Develop methodology for monitoring the programme
	Status of contemporary international technology	Finalisation of technology goals for 1990.		

## RESOLUTION

No. TDD-1/34(7)/86.—Government of India have decided to constitute the Technology Development Advisory Group for Electronics & Electro-mechanical Instruments and their incorporation in selected industries to render advice on the technology thrust to be made in this Sector with the following composition for a period of one year w.e.f. 1-4-86 :—

*Convenor*

1. Shri K. K. Taneja,  
Industrial Adviser,  
DGTD, New Delhi.

*Members*

2. Shri K. Vasudevan, Chairman & Managing Director,  
Instrumentation Ltd.,  
Kota-324005.
3. Shri R. D. Sharma, President,  
Taylor Instrument Co. (India) Ltd.,  
14, Mathura Road, Faridabad.
4. Shri P. K. Krishnamurthi,  
Principal Director, I.D.E.M.I.,  
Chunabhatti, Sion,  
Bombay-400 022.
5. Dr. K. N. Ramanathan, Controller,  
Keltron Controls,  
Shamugham Road, Ernakulam,  
Cochin-682031.
6. Shri N. S. Prabhu,  
DGM, National Thermal Power  
Corporation Ltd., Skipper House,  
Nehru House, New Delhi-119 919.
7. Shri C. D. Mudachari,  
Executive Director, Planning &  
Development (India) Ltd.,  
Premier Chambers, R. C. Dutt Road,  
Baroda.
8. Dr. R. Krishnamurthy,  
Sr. Manager (Process Division),  
Engineers India Ltd.,  
Hindustan Times House, 4th Floor,  
Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-110 001.

9. Shri H. C. Verma,  
Chairman & Managing Director,  
Associated Instruments Manufacturers (India) (P)  
Ltd., Sunlight Bldg., 26/27, Asaf Ali Road,  
New Delhi.

2. Terms and reference to the Advisory Group would be as under :—

- (i) Assessment of existing technology in India in terms of quality of design and manufacturing techniques and status of contemporary international technology.
- (ii) Identification of technology gaps.
- (iii) Finalisation of long-term and short-term technology goals for up-gradation of the existing technology so as to make it appropriate and contemporary.
- (iv) Identification of specific task and the agency/organisation which should be assigned for such work to complete within a fixed time targets.
- (v) Identification of Engineering and Management Consultant who can play a significant role in the establishment of new uses and/or in upgradation of existing technologies and export of technologies/services and products.
- (vi) Identification of lead organisation which will carry out research, design and development work in accordance with the domestic needs and other related conditions.
- (vii) To make recommendations on the appropriate methodology for monitoring the programme as indicated above.

3. The time schedule for the Advisory Group is enclosed and the group is requested to adhere and complete the work as per schedule.

## ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communication to all concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

## TIME SCHEDULE FOR THE ADVISORY GROUP

Name of the Advisory group	First Quarter	Second Quarter	Third Quarter	Fourth Quarter
Technology Development Advisory Group for Electronic and Electro-mechanical Instruments and their incorporation in selected industries.	Assessment of the existing technology in India.	Status of contemporary international technology.	Identification of technology gaps.  Finalisation of technology programme of R&D goals for 1990.	Identification of Lead organisation for specific tasks with time bound

## RESOLUTION

No. TDD-1/34(8)/86.—Government of India have decided to constitute the Technology Development Advisory Group for Energy Efficient Power Transmission and Distribution Equipments (Motors, Transformers and Switchgears) to render advice on the technology thrust to be made in this sector, with the following composition for a period of one year with effect from 1-4-1986 :—

*Convenor*

1. Shri D. B. Malik,  
Industrial Adviser,  
DGTD, New Delhi.

*Members*

2. Shri M. K. Sridhar,  
Director (Technical),  
B.H.E.L., 18-20, K. G. Marg,  
Hindustan Times House,  
New Delhi.

3. Shri R. S. Barve,  
Chief Design Engineer,  
Crompton Greaves,  
(Machine-II Division), Kanjur,  
Bhandup, Bombay-400 078.

4. Shri C. S. Jha,  
Chairman, Institution of Engineers India,  
FIE-23-A, Jadavpur, Calcutta.

5. Shri P. N. Hiriyaniah,  
Vice President (Retd.),  
Kilroskar Electrical Co.,  
BP No. 5555, Malleshwar West,  
Bangalore-560 005.

6. Shri C. R. Warrior,  
M/s. Crompton Greaves,  
Bhandup, Bombay-400 078.

7. Shri Krishna Gowda,  
Technical Director,  
N.G.E.P., Bangalore.

8. Shri P. W. Kant,  
Director (Energy Division),  
M/s. Siemens India Ltd.,  
Bombay. Member
9. Shri K. N. Shenoy,  
Managing Director,  
Hindustan Brown Boveri Ltd.,  
264-265, Dr. Annie Besant Road,  
Bombay. Member

2. Terms and reference of the Advisory Group would be as under :—

- (i) Assessment of existing technology in India in terms of quality of design and manufacturing techniques and status of contemporary international technology.
- (ii) Identification of technology gaps.
- (iii) Finalisation of long-term and short-term technology goals for up-gradation of the existing technology so as to make it appropriate and contemporary.

- (iv) Identification of specific task and the agency/organisation which should be assigned for such work to complete within a fixed time target.
- (v) Identification of Engineering and Management Consultants who can play a significant role in the establishment of new uses and/or in upgradation of services and products.
- (vi) Identification of lead organisation which will carry out research, design and development work in accordance with the domestic needs and other related conditions.
- (vii) To make recommendations on the appropriate methodology for monitoring the programme as indicated above.

3. The time schedule for the Advisory Group is enclosed and the group is requested to adhere and complete the work as per schedule.

#### ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

#### TIME SCHEDULE FOR THE ADVISORY GROUP

Name of the Advisory Group	First Quarter	Second Quarter	Third Quarter	Fourth Quarter
Advisory Group for Energy Efficient Power Transmission and Distribution Equipment (Motors, Transformers and Switchgears).	Constitution of 3 Sub-Groups for Motors, Transformers and Switchgears.	Assessment of existing technology in India.  Status of contemporary international technology.	Identification of Technology gaps.  Finalisation of technology goals for 1990.	Identification of lead organisation for specific tasks with time bound programme of R&D.

#### RESOLUTION

No. TDD-I/34(9)/86.—Government of India have decided to constitute the Technology Development Advisory Group on Information Technology, its hardware and software, to render advice on the technology thrust to be made in this Sector, with the following composition for a period of one year wef 1-4-1986 :—

#### CONVENOR

1. Shri S. K. Palhan,  
Industrial Adviser,  
DGTD, New Delhi.

#### MEMBERS

2. Shri Vijay Bhargava,  
Bajaj Auto Ltd., Pune.
3. A representative from Hindustan Computers Ltd.,  
New Delhi.
4. A representative from M/s DCM Data Products Ltd.,  
New Delhi.
5. A representative from Computer Maintenance Corporation,  
New Delhi.
6. Director,  
National Scientific Documentation Centre,  
New Delhi.
7. A representative from ICIM,  
New Delhi Consultancy Organisation of  
M/s. Indian Computers Ltd.,  
New Delhi.
8. A representative from M/s. WIPRO Ltd.,  
New Delhi.

2. Terms and reference to the Advisory Group would be as under :—

- (i) Assessment of existing technology in India in terms of quality of design and manufacturing techniques and status of contemporary international technology.
- (ii) Identification of technology gaps.
- (iii) Finalisation of long term and short-term technology goals for upgradation of the existing technology so as to make it appropriate and contemporary.
- (iv) Identification of specific task and the agency/organisations which should be assigned for such work to complete within a fixed time target.
- (v) Identification of Engineering and Management Consultants who can play a significant role in the establishment of new uses and/or in upgradation of existing technologies and export of technology as services and products.
- (vi) Identification of lead organisation which will carry out research, design and development work in accordance with the domestic needs and other related conditions.
- (vii) To make recommendations on the appropriate methodology for monitoring the programme as indicated above.

3. The time schedule for the Advisory Group is enclosed and the group is requested to adhere and complete the work as per schedule.

#### ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

#### TIME SCHEDULE FOR THE ADVISORY GROUP

Name of the Advisory Group	First Quarter	Second Quarter	Third Quarter	Fourth Quarter
Advisory Group for Information Technology its hardware and software.	Assessment of the existing technology in India.	Identification of technology gaps. Finalisation of technology goals for 1990.	Identification of lead organisation for specific tasks with time bound programme of R&D.	Develop methodology for monitoring the programme.

## RESOLUTION

No. TDD-I/34(10)/86.—Government of India have decided to constitute the Technology Development Advisory Group for Carbide, Ceramic and Diamond Tools to render advice on the technology thrust to be made in this Sector, with the following composition, for a period of one year wef 1-4-1986 :—

## CONVENOR

1. Shri Kulwant Singh,  
Additional Industrial Adviser,  
DGTD, New Delhi.

## MEMBERS

2. Dr. Sanjay Basu,  
General Manager (R&D),  
M/s. Sandvik Asia Ltd.,  
Poonn.
3. Shri Murching,  
Director, C.M.T.I.,  
Bangalore.
4. Prof. V. R. K. Rao,  
Deptt. of Mechanical Engineering,
5. Shri K. S. Bhaghia,  
Works Manager,  
M/s. Greaves Cotton & Co. Ltd.,  
Bombay.
6. Shri B. Garudachar,  
Ex-Industrial Adviser,  
DGTD, New Delhi.
7. Shri R. Srinivasan,  
Managing Director,  
M/s. Wadia (India) Ltd,  
Tumkur Road, Bangalore.

2. Terms and reference to the Advisory Group would be as under :—

- (i) Assessment of existing technology in India in terms of quality of design and manufacturing techniques and status of contemporary international technology.
- (ii) Identification of technology gaps.
- (iii) Finalisation of long term and short-term technology goals for upgradation of the existing technology so as to make it appropriate and contemporary.
- (iv) Identification of specific task and the agency/organisations which should be assigned for such work to complete within a fixed time target.
- (v) Identification of Engineering and Management Consultants who can play a significant role in the establishment of new uses and/or in upgradation of existing technologies and export of technologies/services and products.
- (vi) Identification of lead organisation which will carry out research, design and development work in accordance with the domestic needs and other related conditions.
- (vii) To make recommendations on the appropriate methodology for monitoring the programme as indicated above.

3. The time schedule for the Advisory Group is enclosed and the group is requested to adhere and complete the work as per schedule.

## ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for General Information.

## TIME SCHEDULE FOR THE ADVISORY GROUP

Name of the Advisory Group	First Quarter	Second Quarter	Third Quarter	Fourth Quarter
Advisory Group for Carbide, Ceramic and Diamond Tools.	Constitution of 3 Sub-Groups for Carbide, Ceramics, Diamond tools.	Assessment of existing technology in India. Status of contemporary international technology	Identification of technology gaps. Finalisation of technology programme of R&D, goals for 1990.	Identification of lead organisation for specific tasks with time bound programme of R&D.

## RESOLUTION

No. TDD-I/34(11)/86.—Government of India have decided to constitute the Technology Development Advisory Group for New Forging and Casting Technology to render advice on the technology thrust to be made in this Sector, with the following composition, for a period of one year wef 1-4-1986 :—

## CONVENOR

1. Shri Lakshman Mishra,  
Industrial Adviser,  
DGTD, New Delhi.

## MEMBERS

2. Shri B. Seshasayee,  
Managing Director,  
SECALs Ltd,  
8, Rutland Gate, PB No. 458,  
Madras-600 006.
3. Shri S. C. Duggal,  
Deputy General Manager,  
Central Foundry Forge Project,  
Bharat Heavy Electricals Ltd.,  
Ranipur, Hardwar, U.P.
4. Shri B. G. Sastry,  
Managing Director,  
Ductron Castings Ltd.,  
B-15, Industrial Development Area,  
Uppal, Hyderabad-500 039.

5. Shri S Srinivasan,  
Manager Technical),  
Ennore, Foundry Ltd.  
Ennore, Madras.

6. Shri P. C. Neogy,  
Executive Director,  
Heavy Engineering Corporation,  
Dhurva, Ranchi-834 004.

7. Director,  
National Institute of Foundry & Forge Technology,  
Ranchi, Bihar.

8. Shri B. N. Kalayani,  
President,  
M/s. Bharat Forge Co. Ltd.,  
Mundhwa, Pune Cantt.,  
Pune-411 036.

9. Shri C. V. Tikekar,  
Adviser, TELCO,  
Pimpri, Poona.

10. In-charge of Foundry Division,  
I.I.T., Kharagpur.

2. Terms and reference to the Advisory Group would be as under :—

- (i) Assessment of existing technology in India in terms of quality of design and manufacturing techniques and status of contemporary international technology.
- (ii) Identification of technology gaps.

- (iii) Finalisation of long term and short-term technology goals for upgradation of the existing technology so as to make it appropriate and contemporary.
- (iv) Identification of specific task and the agency/organisations which should be assigned for such work to complete within a fixed time target.
- (v) Identification of Engineering and Management Consultants who can play a significant rôle in the establishment of new uses and/or in upgradation of existing technologies and export of technologies/services and products.
- (vi) Identification of lead organisation which will carry out research, design and development work in accor-

dance with the domestic needs and other related conditions.

- (vii) To make recommendations on the appropriate methodology for monitoring the programme as indicated above.

3. The time schedule for the Advisory Group is enclosed and the group is requested to adhere and complete the work as per schedule.

#### ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for General Information.

#### TIME SCHEDULE FOR THE ADVISORY GROUP

Name of the Advisory Group	First Quarter	Second Quarter	Third Quarter	Fourth Quarter
Advisory Group for New Forging and Casting Technology.	Assessment of the existing Technology in India. Status of contemporary international technology	Identification of technology gaps. Finalisation of technology goals for 1990.	Identification of lead organisation for specific tasks with time bound programme of R&D.	Develop methodology for monitoring the programme.

#### RESOLUTION

No. TDD-1/34(12)/86.—Government of India have decided to constitute the Technology Development Advisory Group for Fermentation Technology Industrial Applications of Bio-Technology to render advice on the technology thrust to be made in this Sector, with the following composition, for a period of one year wef 1-4-1986 :

#### CONVENOR

1. Dr. Pritam Singh,  
Superintendent (R&D),  
LDPL—Virbhadra,  
Rishikesh.

#### MEMBERS

2. Dr. S. M. Shah,  
General Manager, Polychem,  
Bombay.
3. Dr C. L. Chopra,  
Director,  
Regional Research Laboratory,  
Jammu (J&K).
4. Dr. U. T. Bhalariao,  
Scientist,  
R.R.L. Hyderabad.
5. R&D Manager,  
Hindustan Antibiotics Ltd.,  
Poona.
6. Representative of Deptt. of Biotechnology,  
Ministry of Science & Technology,  
Technology Bhawan,  
New Mahrauli Road,  
New Delhi.

#### MEMBER-SECRETARY

7. Shri A. K. Das,  
Industrial Adviser,  
DGTD, New Delhi.

2. The terms and reference to the Advisory Group would be as under :—

- (i) To study present status of fermentation technology in India including R&D work taken up in various R&D Laboratories.
- (ii) Recent advances in Fermentation Technology in the international fields & to identify various products of fermentation technology being commercialised.
- (iii) Identification of technology gaps.
- (iv) Finalisation of longterm and short term goals and specific steps to be taken in the next 5 years for introduction & upgradation of technology in the country.
- (v) To identify various organisations who can take up time bound programmes for development including R&D.
- (vi) To assess resource requirements.
- (vii) To make recommendations on the appropriate methodology for monitoring the programme as indicated above.

3. The time schedule for the Advisory Group is enclosed and the group is requested to adhere and complete the work as per schedule.

#### ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for General Information.

#### TIME SCHEDULE OF THE ADVISORY GROUP

Name of the Advisory Group	First Quarter	Second Quarter	Third Quarter	Fourth Quarter
Advisory group for Fermentation Technology and Industrial Applications of Bio-Technology.	Assessment of the existing technology in India.	Status of the contemporary international technology.	Identification of technology gaps. Finalisation of technology goals for 1990.	Identification of Lead Organisation for specific tasks with time bound programme of R&D.

## RESOLUTION

No. TDD-1/34(13)/86.—Government of India have decided to constitute the Technology Development Advisory Group on Patented Operations like continuous poly condensation for Plastics/Synthetics Fibre Industry to render advice on the technology thrust to be made in this Sector, with the following composition, for a period of one year wef 1-4-1986 :—

## MEMBERS

1. Shri D. Y. Gajtonde,  
President,  
Century Enka Ltd.,  
Pune.
2. Dr. Mashelkar,  
Dy. Director,  
NCL, Pune.
3. Dr. V. G. Kameth,  
Director,  
Nirlon Synthetics Fibres & Chemical Ltd.,  
Bombay.
4. Dr. Iyer,  
J.K. Synthetics Ltd.,  
Kota.
5. Dr. S. Ganguli,  
Chairman/Managing Director,  
Indian Petrochemicals Corpn. Ltd.,  
Baroda.
6. Dr. H. C. Bijawat,  
President,  
Bombay Dyeing Co. (P) Ltd.,  
Neville House, Graham Road,  
Bellard Estate, Bombay.
7. Shri M. S. Patwardhan,  
Managing Director,  
National Organic Chemical Industries Ltd.,  
Mafatlal Centre, Nariman Point,  
Bombay.

8. Dr. P. V. Krishna,  
Adviser,  
Petrochemicals,  
Deptt. of Chemicals & Petrochemicals,  
Shastri Bhavan, New Delhi.

## MEMBER-SECRETARY

9. Shri C. D. Anand,  
Industrial Adviser,  
DGTD, New Delhi.

2. The terms and reference to the Advisory Group would be as under :—

- (i) Assessment of existing technology in India in terms of quality of design and manufacturing techniques and status of contemporary international technology.
- (ii) Identification of technology gaps.
- (iii) Finalisation of long term and short-term technology goals for upgradation of the existing technology so as to make it appropriate and contemporary.
- (iv) Identification of specific task and the agency/organisations which should be assigned for such work to complete within a fixed time target.
- (v) Identification of Engineering and Management Consultants who can play a significant role in the establishment of new uses and/or in upgradation of existing technologies and import of technologies/services and products.
- (vi) Identification of lead organisation which will carry out research, design and development work in accordance with the domestic needs and other related conditions.
- (vii) To make recommendations on the appropriate methodology for monitoring the programme as indicated above.

3. The time schedule for the Advisory Group is enclosed and the group is requested to adhere and complete the work as per schedule.

## ORDER :

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for General Information.

K. C. GANJWAL  
Dir. (Admn.) & CVO

## TIME SCHEDULE FOR THE ADVISORY GROUP

Name of the Advisory Group	First Quarter	Second Quarter	Third Quarter	Fourth Quarter
Advisory Group for patented operations like continuous poly-organisation units etc. in plastic and Synthetic Fibre industry	Assessment of the existing technology	Status of contemporary international technology	Identification of technology gaps. Finalisation of technology for 1990.	Identification of lead organisation for specific tasks with time bound programme of R&D.

## MINISTRY OF HEALTH &amp; FAMILY WELFARE

New Delhi, the 19th March 1986

## RESOLUTION

No. E.11017/1/85-OLI.—In continuation of Ministry of Health and Family Welfare Resolution of even number dated 16th July, 27th September, and 26th November, 1985 regarding reconstitution of Hindi Advisory Committee of this Ministry, the Government of India have decided to nominate Addl. Secretary (FW), Ministry of Health and Family Welfare as a member of the Hindi Advisory Committee of this Ministry.

## ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to all State Governments & Union Territory Administrations, President's Secretariat, Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Ministry of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat/Rajya Sabha Secretariat and Comptroller and Auditor General of India, Director of Audit, Central Revenues and

all the Ministries and Departments of the Government of India.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for General Information.

S. K. SUDHAKAR  
Jt. Secy.

## MINISTRY OF AGRICULTURE

## (DEPARTMENT OF AGRICULTURE &amp; COOPERATION)

New Delhi, the 20th March 1986

No. 21-43/84-Fert.Plg.—In continuation of this Ministry's resolution of even number dated 23rd July and 7th October, 1985 regarding constitution of High Powered Committee known as Fertilizer Consumer Prices Committee set up under the Chairmanship of Dr. G. V. K. Rao it has been decided

to extend the term of the Committee from 22nd January, 1986 to 22nd July, 1986. Further it has also been decided to add the following aspects to the existing terms of reference of the Committee.

“To ascertain the distribution margin for fertilizers for its adequacy or otherwise and other allied issues.”

The other terms and conditions of the Committee will remain the same.

#### ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

Ordered that this may be published in the Gazette of India for general information.

P. V. SHENOI  
Addl. Secy.

